दैनिक भास्कर उदयपुर जिला 28-07-2026

हिंदुस्तान जिंक ने 6 वर्षों में 8.55 लाख पौधे लगाए

उदयपुर | हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही तक 8.55 लाख से अधिक पौधे लगाए हैं। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में ही 1,13,500 से अधिक पौधरोपण किया गया। यह पहल जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण पुनर्स्थापन और जलवायु संरक्षण से जुड़े लक्ष्यों का हिस्सा है। कंपनी के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि जिम्मेदार खनन में संचालन के साथ प्रकृति संरक्षण भी शामिल है। हिंदुस्तान जिंक ने राजस्थान और उत्तराखंड में अपने परिचालन क्षेत्रों में वैज्ञानिक वनीकरण और आवास बहाली कार्यक्रम चलाए हैं। चंदेरिया लेड-जिंक स्मेल्टर में माइकोराइजा तकनीक से 22.25 हेक्टेयर जारोफिक्स यार्ड का पुनर्स्थापन किया गया है। कंपनी ने आगे 250 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक वन विकास का लक्ष्य रखा है। जावर माइंस समूह ने ग्रीन जावर पहल के तहत रावा गांव में पौधरोपण अभियान चलाया। राजपुरा दरीबा, चंदेरिया, देबारी और कायड़ में मियावाकी तकनीक से देशी वन विकसित किए जा रहे हैं। रामपुरा आगुचा माइंस में देशी पौधों के संरक्षण और पौध तैयार करने के लिए नर्सरी बनाई गई है। कंपनी ने इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के सहयोग से बायोडायवर्सिटी मैनेजमेंट प्लान को अद्यतन किया है। लक्ष्य "नो नेट लॉस ऑफ बायोडायवर्सिटी" हासिल करना बताया गया है।